1. आपका जनम भगवत प्राप्त हेतु हुआ है. धरम आपकी शक्ति है. प्रेम ही श्रधा है, भक्ति है. भगवन प्राप्ति हेतु आवश्यक सोपान है. मानवता के लिए मुख्य धर्म है धेय व क्षमा. Pratibha
2. जो प्राप्त है वो प्राप्यत्त है. – Ritvee
3. हमे अच्छा, बुरा, राग द्वेष, उचित, से उनुचित निकालना होगा to that extent की यह हमारी reflexes में तक नही आना चाईए - Madhu
4. गीता से यह शिक्षा मिलती है की राग द्वेष को धीरे धीरे ख़तम करना है. वह सबके लिए अच्छा है - Usha
5. You should make effort to remove worldiness from your life rejuvenation will automatically follow – Vidhusha
6. जो इच्छा व दवेश नही रखता वह नित्य सन्यासी है. - Vibha
7. Remove the negativity and rejuvenation happens – Parul
8. Reading Geeta helps us in performing our duties effectively and efficiently. – Priya
9. धर्म पूर्वक कर्म करना मनुष्यता है. – Shelly
10. कर्मो में और भोग मे हमे सुख की आशा नही होती. Right now we do it with effort so we are moving towards humanity when it happens effortlessly we are moving towards divinity. – Babli